

खबर संक्षेप



कलेक्टर द्वारा योजनाओं की समीक्षा की गई

शहडोल। कलेक्टर पार्थ जायसवाल द्वारा पीएमजमनम योजना के तहत स्वीकृत प्रधानमंत्री आवास योजना बैगा बस्तियों में सड़क निर्माण, चलित उपचार एम्बुलेंस सेवा, बैगा हितवाहियों का बिजली कनेक्शन, महिला बाल विकास विभाग में निर्मित की जा रही आंगनवाड़ी केन्द्रों, बहुउद्देशीय भवन, छात्रावास भवन, संचार सुविधा, आदि से जुड़े कार्यों की विभाग वार समीक्षा की। उन्होंने कहा कि संबंधित निर्माण विभाग, साप्ताहिक एवं मासिक प्रगति की कार्य योजना बनाकर कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूरा करें। इसी तरह श्रम विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा करते हुए नियोजनवार संबल पंजीयन का कार्य आगामी बैठक के पूर्व पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य नगर पालिका अधिकारी खांड को 01 वेतन वृद्धि बंद करने हेतु कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सुश्री काजोल सिंह, सुश्री अर्चना मिश्रा, वनमंडलाधिकारी दक्षिण वन मंडल श्रुद्धा पेदे, वनमंडलाधिकारी उत्तर वन मंडल तरुणा वर्मा, अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, श्रीमती मिनीषा पाण्डेय, डिप्टी कलेक्टर भागीरथी लहरे, श्रीमती एंटोनिया एक्का सहित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

पशुपालन, कृषि, सहकारिता, मत्स्यपालन विभागों के प्रगति की कलेक्टर द्वारा समीक्षा

शहडोल। कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने पशुपालन, कृषि, स्वास्थ्य, सहकारिता, मत्स्यपालन विभागों के प्रगति की समीक्षा की। कलेक्टर ने कृषि विभाग की समीक्षा करते हुए मृदा परीक्षण के लक्ष्य की पूर्ति करने तथा किसानों के क्रेडिट कार्ड, निर्माण का लक्ष्य प्राप्त करने के निर्देश दिए। पशु चिकित्सा विभाग की समीक्षा के दौरान एफएमडी टीकाकरण तथा कुत्रिम गमधान में अपेक्षित प्रगति नहीं होने के कारण उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं को कारण बताओ नोटिस जारी करने तथा लक्ष्यों की पूर्ति शीघ्रता के साथ करने के निर्देश दिए। मत्स्यपालन विभाग को फिश पालर के निर्माण के प्रगति की नियमित समीक्षण करते हुए कार्य में प्रगति लाने तथा मछुआ कुषक किसान क्रेडिट कार्ड के लक्ष्यों की पूर्ति के निर्देश दिए। उन्होंने सहकारिता विभाग के अधिकारियों को कृषि पशुपालन एवं मत्स्यपालन विभाग द्वारा तैयार किए गए किसान क्रेडिट कार्ड के प्रकरणों को स्वीकृति देने की भी निर्देश दिए। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सुश्री काजोल सिंह, सुश्री अर्चना मिश्रा, वनमंडलाधिकारी दक्षिण वन मंडल श्रुद्धा पेदे, वनमंडलाधिकारी उत्तर वन मंडल तरुणा वर्मा, अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, श्रीमती मिनीषा पाण्डेय, डिप्टी कलेक्टर भागीरथी लहरे, श्रीमती एंटोनिया एक्का सहित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

एसडीएम जैतपुर ने एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय का किया औचक निरीक्षण



शहडोल। राजस्व अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) जैतपुर दीपक मंडवी ने शनिवार को एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय जैतपुर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय एवं छात्रावास की विभिन्न व्यवस्थाओं तथा संचालित गतिविधियों का जायजा लिया। एसडीएम की मंडवी ने विद्यालय में विद्यार्थियों की शैक्षणिक गतिविधियों, छात्रावास व्यवस्था, भोजन, स्वच्छता, अनुशासन, खेलकूद तथा विद्यार्थियों के दैनिक क्रियाकलापों का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यार्थियों से सीधे संवाद करते हुए उनकी पढ़ाई, भोजन, खेलकूद एवं छात्रावास से संबंधित व्यवस्थाओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक एसडीएम से संवाद किया तथा अपनी आवश्यकताओं एवं समस्याओं से अवगत कराया। एसडीएम की मंडवी ने विद्यार्थियों को मन लगाकर पढ़ाई करने, अनुशासन बनाए रखने तथा खेल एवं अन्य रचनात्मक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विद्यालय की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण, गुणवत्तापूर्ण भोजन, स्वच्छता एवं सुरक्षित छात्रावास व्यवस्था उपलब्ध करने पर विशेष जोर दिया।

विराट भूमि

सोहागपुर के बीहड़ों और जंगलों में कई किलोमीटर तक किया पैदल गश्त

खाकी का मैदान में उतरा रूप देख सहमे खनन माफिया



रेत माफियाओं के खिलाफ कप्तान का सख्त रुख

एसपी संजय अग्रवाल ने खुद संगाला मोर्चा

शहडोल। जिले में अवैध उत्खनन और परिवहन के काले कारोबार को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय अग्रवाल ने कड़ा रुख अपनाया है। सिर्फ वातानुकूलित दफ्तरों में बैठकर निर्देश जारी करने के बजाय, स्वयं धरातल पर उतरकर कार्रवाई करने की उनकी अनूठी और निडर कार्यशैली ने एक बार फिर जिलेभर में अवैध कारोबारियों की नींद उड़ा दी है। सोहागपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले दूरस्थ व संवेदनशील ग्रामीण



अंचलों नरवार, बिजौरी और झीरसागर के संभावित अवैध उत्खनन क्षेत्रों में पुलिस अधीक्षक द्वारा किए गए औचक निरीक्षण ने यह साफ कर दिया है कि शहडोल में कानून का राज कायम रखने के लिए खाकी पूरी तरह संकल्पित है।

बीहड़ों और पगड़ंडियों पर पैदल गश्त

आमतौर पर बड़े अधिकारियों का दौरा औपचारिक वाहनों के काफिले तक सीमित रहता है, लेकिन स्वक संजय अग्रवाल की कार्यप्रणाली बिल्कुल अलग है। उन्होंने बिना किसी पूर्व सूचना के अचानक प्रभावित इलाकों का रुख किया और खाकी की कमान खुद संभालते हुए बीहड़ों, नदी तटों व दुर्गम पगड़ंडियों पर कई किलोमीटर तक सघन पैदल भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति और अवैध गतिविधियों की



कार्रवाई से माफियाओं को बड़ा आर्थिक व प्रशासनिक झटका लगा है।

वन क्षेत्र में खुद की पड़ताल

एक सजग और संवेदनशील पुलिस प्रमुख की मिसाल पेश करते हुए डॉ. अग्रवाल ने हाल ही में समाचार पत्रों में प्रकाशित उन खबरों की भी स्वयं तस्दीक की, जिनमें वन क्षेत्र में अवैध उत्खनन की आशंका जताई गई थी। खबरों को गंभीरता से लेते हुए वे स्वयं दल-बल के साथ सघन वन क्षेत्र के भीतर दाखिल हुए और एक-एक हिस्से का निरीक्षण किया। पड़ताल के दौरान वन क्षेत्र में कोई भी संदिग्ध वाहन या उत्खनन का चिह्न नहीं मिला, जिससे भ्रामक स्थिति स्पष्ट हो सकी। इसके साथ ही, पूर्व में वन कर्मियों के साथ हुए विवाद से जुड़े घटनास्थल का भी गहराई से जायजा लिया गया।

अवैध गतिविधियों के खिलाफ जारी रहेगा अभियान

निरीक्षण के दौरान उप पुलिस अधीक्षक मोहन दुबे, सोहागपुर थाना प्रभारी निरीक्षक रामायण प्रसाद रावत, रक्षित निरीक्षक अनिरुद्ध मीणा सहित सोहागपुर थाने का समूचा पुलिस अमला मुस्तैद रहा। पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों को कड़े शब्दों में हिदायत दी कि जिले की शांति और प्राकृतिक संसाधनों को नुकसान पहुंचाने वाले किसी भी माफिया को बख्शा न जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि अवैध खनन और परिवहन पर प्रभावी रोक लगाने के लिए इस तरह की औचक चेकिंग और थाना वार सघन गश्त लगातार जारी रहेगी। डॉ. संजय अग्रवाल के इस आक्रामक और निष्पक्ष रुख की आम जनता और जागरूक नागरिकों द्वारा जमकर सराहना की जा रही है।

एसपी ने अचानक पहुंचकर ली क्लास, व्यवस्था सुधारने के कड़े निर्देश

एक छोटे कमरे में सिमटी मेडिकल चौकी, सुविधाएं गायब



शहडोल। बिरसा मुंडा शासकीय मेडिकल कॉलेज में सुरक्षा का जिम्मा संभालने वाली पुलिस चौकी खुद लाचारी के दौर से गुजर रही है। रविवार को जब पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय अग्रवाल अचानक मेडिकल कॉलेज चौकी का औचक निरीक्षण करने पहुंचे, तो वहां के जमीनी हालात देखकर वे भी हैरान रह गए।

निरीक्षण के दौरान यह चौकाने वाला तथ्य सामने आया कि

मेडिकल कॉलेज जैसी अति-संवेदनशील और व्यस्त जगह की पुलिस चौकी महज एक छोटे व संकीर्ण कमरे में संचालित की जा रही है। जगह इतनी कम है कि पुलिसकर्मियों को अपने दैनिक शासकीय कार्य निपटाने में भारी मशक्कत करनी पड़ रही है। चौकी परिसर में न तो इयूटी पर तैनात जवानों के लिए मुकम्मल व्यवस्थाएं थीं और न ही अपनी फरियाद लेकर आने वाले आम नागरिकों व मरीजों



के परिजनों के बैठने या पीने के पानी जैसे बेसिक इंतजाम। बुनियादी सुविधाओं के अभाव पर एसपी ने कड़ी नाराजगी जताई।

एसपी संजय अग्रवाल ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को सख्त लहजे में निर्देश दिए कि चौकी की व्यवस्थाओं में अविलंब सुधार किया जाए। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों को काम करने के लिए बेहतर माहौल और आम जनता को

सुलभ व त्वरित पुलिस सहायता मिलना पहली प्राथमिकता है। इसके लिए चौकी को सर्वसुविधायुक्त बनाने की दिशा में त्वरित कदम उठाए जाएं। एसपी के इस आकस्मिक निरीक्षण के दौरान डीएसपी मुख्यालय मोहन दुबे, सोहागपुर थाना प्रभारी निरीक्षक रामायण प्रसाद रावत, रक्षित निरीक्षक अनुरुद्ध मीणा सहित सोहागपुर थाने का पुलिस बल मौजूद रहा।



क्रमिक अनशन के बीच घटनास्थल का मुआयना करने पहुंची पुलिस

जयस्तंभ चौक पर गरमाई सियासत

शहडोल। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर से अपनी विभिन्न मांगों को लेकर जयस्तंभ चौक पर डटे आवेदक केशव चौधरी के आंदोलन ने अब नया मोड़ ले लिया है। लगातार जारी क्रमिक अनशन के दौरान दर्ज कराई गई शिकायत को संज्ञान में लेते हुए पुलिस और प्रशासनिक अमले ने विवादित घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। मौके की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस विभाग के वरिष्ठ

अधिकारी दल-बल के साथ जयस्तंभ चौक पहुंचे। इस दौरान एसडीओपी (मुख्यालय) मोहन दुबे, सोहागपुर थाना प्रभारी रामायण प्रसाद रावत तथा रक्षित निरीक्षक अनिरुद्ध मीणा पुलिस बल के साथ मुस्तैद रहे। अधिकारियों ने विवादित स्थल का जायजा लेने के साथ ही वहां मौजूद सभी पक्षों से सीधा संवाद किया।

निरीक्षण के उपरांत पुलिस प्रशासन ने स्थिति को नियंत्रण में

रखने और कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से संबंधित पक्षों से शांति की अपील की है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि किसी भी सूरत में शहर की फिजा खराब नहीं होने दी जाएगी और कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी। फिलहाल जयस्तंभ चौक पर स्थिति सामान्य बनी हुई है, लेकिन आंदोलन को लेकर पुलिस पूरी तरह से अलर्ट मोड पर है।

बांधवगढ़ में ‘जंगल की पाठशाला’, 200 गाइडों को मिल रही विशेष ट्रेनिंग

अब अंग्रेजी में भी गाइड देंगे पर्यटकों को जानकारी

1 अक्टूबर से शुरू होगा पर्यटन सीजन, वन्यजीवों से लेकर बांधवगढ़ की विरासत तक की दी जा रही जानकारी

उमरिया। विश्व प्रसिद्ध बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में 1 अक्टूबर से पर्यटन सीजन शुरू होने जा रहा है। पर्यटन सीजन को लेकर प्रबंधन तैयारियों में जुटा है। पर्यटकों को जंगल, वन्यजीव और बांधवगढ़ की प्राकृतिक एवं ऐतिहासिक विरासत की बेहतर जानकारी मिल सके, इसके लिए करीब 200 गाइडों को लगातार प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को ‘जंगल की पाठशाला’ नाम दिया गया है। प्रशिक्षण के दौरान गाइडों को फील्ड विजिट कराई जा रही है। उन्हें वन्यजीवों के पैरों के निशान, उनकी गतिविधियों तथा जंगल में मिलने वाले विभिन्न प्रजातियों के पक्षियों की पहचान करना सिखाया जा रहा है। इसके साथ ही पर्यटकों की भाषा और समझ के अनुसार जानकारी को सरल एवं रोचक तरीके से प्रस्तुत करने का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है।

साल के जंगलों की खासियत समझा रहे विशेषज्ञ

प्रबंधन द्वारा गाइडों को बांधवगढ़ के प्राकृतिक जंगलों की विशेषताओं से भी परिचित कराया जा रहा है। विशेषज्ञ उन्हें साल के घने जंगलों, पेड़ों की उम्र, पर्यावरण में उनकी भूमिका तथा उनके संरक्षण की आवश्यकता के बारे में जानकारी दे रहे हैं। इसका उद्देश्य गाइडों को जंगल की प्राकृतिक संरचना और उसके महत्व की बेहतर समझ देना है, ताकि वे सफारी के दौरान



पर्यटकों को इसके बारे में प्रभावी ढंग से बता सकें।

शेषश्रेष्ठ्या और चरणगंगा की भी जानकारी

प्रशिक्षण में बांधवगढ़ की ऐतिहासिक एवं प्राचीन विरासत को भी शामिल किया गया है। ताला क्षेत्र में स्थित प्रसिद्ध शेषश्रेष्ठ्या प्रतिमा भगवान विष्णु की है। प्रतिमा के पैरों से निकलने वाली जलधारा को चरणगंगा नदी कहा जाता है। इसके अलावा मगधी और खितौली क्षेत्रों के प्राकृतिक एवं ऐतिहासिक महत्व के बारे में भी गाइडों को जानकारी दी जा रही है, ताकि पर्यटकों के दौरान जंगल के साथ-साथ बांधवगढ़ की विरासत से भी परिचित हो सकें।

बाघ के साथ पूरी जैव विविधता पर जोर

बांधवगढ़ की पहचान बाघों के लिए भले ही विश्व स्तर पर हो, लेकिन प्रशिक्षण में गाइडों को बाघ के अलावा अन्य वन्यजीवों और पक्षियों की जानकारी देने पर भी विशेष जोर

दिया जा रहा है। गाइडों को ईंगल सहित विभिन्न प्रजातियों के पक्षियों की पहचान और उनके व्यवहार के बारे में जानकारी दी जा रही है। प्रबंधन का प्रयास है कि पर्यटकों का अनुभव केवल बाघ देखने तक सीमित न रहे, बल्कि वे सफारी के दौरान बांधवगढ़ के जंगल की पूरी जैव विविधता को भी समझ सकें।

अंग्रेजी भाषा का भी दिया जा रहा प्रशिक्षण

क्षेत्र संचालक अनुपम सहाय ने बताया कि बांधवगढ़ में करीब 200 गाइड हैं, जिन्हें लगातार प्रशिक्षण दिया जा रहा है। पर्यटकों को अधिक से अधिक और सही जानकारी मिल सके, इसके लिए गाइडों को फील्ड ट्रेनिंग कराई जा रही है। गाइडों को अंग्रेजी भाषा का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है, ताकि हिंदी में समझने में कठिनाई वाले शब्दों को वे पर्यटकों को सरल तरीके से समझा सकें। प्रशिक्षण के दौरान गाइडों से उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं की जानकारी भी ली जा रही है।

स्कूल, छात्रावास, स्वास्थ्य केन्द्र, राजस्व कार्यालय, आंगनबाड़ी एवं न्यायालय भवनों का हुआ निर्माण

लोक निर्माण विभाग ने 02 वर्षों में 18 निर्माण कार्य किए पूर्ण

शहडोल। विगत दो वर्षों 2024-25 एवं 2025-26 में लोक निर्माण विभाग (भवन), शहडोल द्वारा जिले में विभिन्न विभागों से संबंधित 18 निर्माण कार्य पूर्ण किए गए हैं। इन निर्माण कार्यों के पूर्ण होने से नजदीकी गांवों के हजारों व्यक्तियों को शिक्षा, छात्रावास, स्वास्थ्य, आंगनबाड़ी, राजस्व एवं न्यायालय संबंधी सुविधाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हुई हैं। लोक निर्माण विभाग द्वारा लोक शिक्षण/स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन, मऊ, ब्यौहारी तथा मॉडल बेसिक माध्यमिक स्कूल भवन, सोहागपुर का निर्माण पूर्ण किया गया है।

दोनों भवनों में शैक्षणिक गतिविधियां संचालित हो रही हैं। इसी प्रकार अनुसूचित जाति विभाग के अंतर्गत जयसिंहनगर में 50 सीटर अनुसूचित जाति सीनियर कन्या छात्रावास

भवन तथा आदिवासी विभाग के अंतर्गत झींकबिजुरी, विकासखंड बुढ़ार में 50 सीटर सीनियर कन्या छात्रावास भवन का निर्माण पूर्ण कर भवन संचालित किए जा रहे हैं। आदिवासी विभाग के अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मसीरा के नवीन भवन, अमझौर में 08 अतिरिक्त कक्ष, सिंहपुर में 06 अतिरिक्त कक्ष, पिपरिया में 06 अतिरिक्त कक्ष (द्वितीय तल), चितरांव में 06 अतिरिक्त कक्ष तथा केशवाही में 06 अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य भी पूर्ण किया गया है।

आंगनबाड़ी केन्द्रों के निर्माण के क्रम में अमरहा-3 (खम्हरिया कला-2), विकासखंड सोहागपुर तथा केरहा मंदिरटोला (झगरहा), विकासखंड सोहागपुर में आंगनबाड़ी केन्द्र भवनों का निर्माण पूर्ण कर भवन संचालित किए जा रहे हैं। स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए निपनिया एवं जैतपुर के 06 बिस्तर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों का 30 बिस्तर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में भवन उन्नयन एवं निर्माण कार्य पूर्ण किया गया है। इसके साथ ही अमलाई (छोटी), विकासखंड बुढ़ार में नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र (पीएचसी)

भवन एवं 01 जेी-टाईप तथा 01 एच-टाईप आवासगृहों का निर्माण भी पूर्ण किया गया है। इन भवनों के संचालित होने से क्षेत्र के नागरिकों को स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतर सुविधा मिल रही है। राजस्व विभाग के अंतर्गत सोहागपुर विकासखंड में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कार्यालय भवन तथा चन्नौड़ी तहसील जैतपुर में उप तहसील (टप्पा) राजस्व कार्यालय भवन का निर्माण कार्य पूर्ण किया गया है। दोनों भवनों में कायलयीन कार्य संचालित किए जा रहे हैं। विधि विधायी विभाग के अंतर्गत शहडोल जिला न्यायालय परिसर में 01 चाइल्ड फ्रेंडली कोर्ट एवं 04 अतिरिक्त न्यायालय कक्ष का निर्माण कार्य भी पूर्ण किया गया है। इससे न्यायालयीन कार्यों के लिए आवश्यक अधोसंरचना को मजबूती मिली है। लोक निर्माण विभाग (भवन) द्वारा पूर्ण किए गए इन निर्माण कार्यों से जिले के विभिन्न क्षेत्रों में शैक्षणिक, स्वास्थ्य, प्रशासनिक एवं न्यायिक सुविधाओं के लिए आवश्यक अधोसंरचना उपलब्ध हुई है। सभी पूर्ण भवनों में संबंधित विभागों द्वारा गतिविधियां एवं सेवाएं संचालित की जा रही हैं।





पीएम श्री हाई स्कूल भालूमाड़ा का आकस्मिक निरीक्षण, व्यवस्थाओं पर जताया संतोष

बदरा/जमुना। लोक शिक्षण संचालनालय, भोपाल से सहायक संचालक श्री त्यागी एवं अनुपपुर के सहायक परियोजना समन्वयक देवेश सिंह बघेल ने पीएम श्री हाई स्कूल भालूमाड़ा का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने विद्यालय में पीएम श्री योजना के अंतर्गत संचालित गतिविधियों एवं कार्यों की जानकारी प्राप्त की तथा योजनाओं को और बेहतर तरीके से संचालित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। विद्यालय पहुंचने पर अधिकारियों का विद्यालय परिवार द्वारा स्वागत किया गया। इसके पश्चात मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर आशीर्वाद लिया गया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय की साफ-सफाई, शिक्षण व्यवस्था, विद्यार्थियों की पढ़ाई का स्तर तथा विद्यालय के रखरखाव का बारीकी से अवलोकन किया गया। अधिकारियों ने विद्यालय में साफ-सफाई, पढ़ाई का स्तर एवं रखरखाव की व्यवस्था संतोषजनक पाई। उन्होंने विद्यालय की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए पीएम श्री योजना के उद्देश्यों के अनुरूप शैक्षणिक गुणवत्ता को निरंतर बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य सतीश सिंह सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। अधिकारियों ने जिले के पीएम श्री विद्यालयों के सघन निरीक्षण के क्रम में विद्यालय की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

लोरहा यात्री प्रतीक्षालय के पास अनियंत्रित पिकअप पलटी

उमरिया। कटनी-उमरिया मार्ग पर रविवार सुबह एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। लोरहा यात्री प्रतीक्षालय के समीप सखिजयों से भरी एक तेज रफ्तार पिकअप अचानक अनियंत्रित होकर सडक किनारे पलट गई। इस दर्दनाक दुर्घटना में पिकअप चालक राजेंद्र पिता बाबूलाल, उम्र लगभग 50 वर्ष, निवासी पथरहठा गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और देखते ही देखते राहगीरों व स्थानीय ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। कटनी से उमरिया ला रहा था सख्जी की खेप- प्राप्त जानकारी के अनुसार, घायल चालक राजेंद्र रविवार की सुबह कटनी से पिकअप वाहन में ताजी सब्जियां लादकर उमरिया संडी की ओर आ रहा था। जैसे ही पिकअप लोरहा प्रतीक्षालय के पास पहुंची, अचानक वाहन का संतुलन बिगड़ गया। रफ्तार तेज होने के कारण पिकअप घसीटते हुए सडक किनारे पलट गई, जिससे उसमें रखी सब्जियां सडक पर बिखर गईं। रफ्तार में निकला टायर , दूर खेत में जा गिरा- प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हादसा बेहद भीषण था। चली गी का एक टायर अचानक धुरे से उखडकर कई फीट दूर खेत में जाकर गिरा, जिसके बाद बेकाबू पिकअप पलट गई। माना जा रहा है कि टायर का अचानक निकलना जाना ही हादसे की मुख्य वजह बनी। हालांकि, दुर्घटना के सटीक कारणों का खुलासा पुलिस जांच के बाद ही हो पाएगा।

108 एंबुलेंस से पहुंचाया गया अस्पताल- घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए 108 एंबुलेंस को सूचना दी। मौके पर पहुंचे एंबुलेंस स्टाफ की मदद से घायल चालक को पिकअप से बाहर निकाला गया और तत्काल जिला अस्पताल उमरिया भेजा गया। डॉक्टरों के अनुसार, घायल चालक का उपचार जारी है और उसकी स्थिति पर नजर रखी जा रही है। घटना की सूचना के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम पर विद्यालय की उपलब्धि, प्राचार्य सहित छह शिक्षक जिला स्तरीय सम्मान से सम्मानित

बदरा/जमुना। शिक्षण सत्र 2025-26 में कक्षा 10वीं की वार्षिक परीक्षा में शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम हासिल करने पर विद्यालय के प्राचार्य एवं विषय शिक्षकों को जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय, अनुपपुर द्वारा आयोजित जिला स्तरीय सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया। विद्यालय की इस उल्लेखनीय उपलब्धि से शिक्षा जगत में हर्ष का माहौल है। जिला स्तरीय सम्मान समारोह में विद्यालय के प्राचार्य अवधराज सिंह सोलंकी सहित विषय शिक्षकों जमुना प्रसाद सोनी, महेन्द्र दास चौधरी, राजेश खटीक, श्रीमती रक्षा पांडेय, श्रीमती श्वेता आदित्य एवं श्रीमती रिकू पटेल को उनके उत्कृष्ट शैक्षणिक योगदान एवं विद्यार्थियों के बेहतर परीक्षा परिणाम के लिए सम्मानित किया गया। समारोह में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अनुपपुर श्रीमती अर्चना कुमारी, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य दिवना अनुपपुर सुश्री सरिता नायक एवं जिला शिक्षा अधिकारी तुला राम आगों द्वारा प्राचार्य एवं शिक्षकों को सम्मान प्रदान किया गया। विद्यालय द्वारा कक्षा 10वीं की वार्षिक परीक्षा में प्राप्त 100 प्रतिशत परिणाम को विद्यालय परिवार की समूहिक मेहनत का प्रतिफल माना जा रहा है। शिक्षकों द्वारा पूरे शिक्षण सत्र के दौरान विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन, विषयवार मार्गदर्शन, उत्तरावृत्ति एवं परीक्षा

शहडोल, उमरिया, अनुपपुर-आसपास

हरिभूमि

6

मानपुर में वन विभाग की बड़ी लापरवाही

मीड़ में पहुंचे ग्रामीण पर बाघ ने किया हमला

बाघ की पुष्टि के 15 घंटे बाद भी नहीं हुई घेराबंदी

मानपुर। क्षेत्र के सेमरा-सेमरी (कटुलिया हार) इलाके में रविवार दोपहर उस वक्त हडकंप मच गया, जब एक आदमखोर रुख अपना रहे बाघ ने 50 वर्षीय ग्रामीण पर अचानक हमला बोल दिया। इस हादसे में सेमरी निवासी शंकर पटेल गंभीर रूप से घायल हो गए। आनन-फानन में ग्रामीणों की मदद से उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) मानपुर में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उनकी हालत खतरे से बाहर बताई है। हालांकि, इस पूरी घटना ने वन महकमे की गंभीर लापरवाही और सुस्त कार्यप्रणाली की पोल खोलकर रख दी है।

शनिवार रात मिली थी सूचना, पगमार्क से हुई थी पुष्टि

शनिवार रात लगभग 9 बजे ही वन विभाग को कटुलिया हार इलाके में बाघ की मूवमेंट (आवाजाही) की सूचना मिल चुकी थी। खबर मिलते ही गश्ती दल ने मौके पर पहुंचकर बाघ के पंजों के निशान (पगमार्क) ट्रेस किए और क्षेत्र में बाघ की मौजूदगी की आधिकारिक पुष्टि भी कर दी, लेकिन हैरत की बात यह रही कि सूचना और पुष्टि के बावजूद वन अमले ने रातभर कोई ठोस कदम नहीं उठाया। जिस अति-संवेदनशील इलाके में बाघ घूम रहा था,



उसकी न तो बैरिकेडिंग की गई और न ही सुरक्षा के लिहाज से उसे सील किया गया।

तमाशबीनों का लगा मजमा, 15 घंटे बाद हुआ हादसा

वन विभाग की हिलाई का नतीजा यह हुआ कि रविवार सुबह से ही बाघ की खबर फैलते ही आस-पास के गांवों से लोगों की भारी भीड़ जुटने लगी। सुरक्षा घेरा न होने के कारण ग्रामीण बेखौफ होकर बाघ की तलाश में झाड़यों और खेत-खलिहानों के करीब पहुंचते रहे। इसी बीच दोपहर करीब 12:10 बजे नाले के पास झाड़ियों में छिपे बाघ ने अचानक भीड़ का हिस्सा बने शंकर पटेल



पर छलांग लगा दी। अचानक हुए इस हमले से मौके पर चीख-पुकार मच गई। गनीमत यह रही कि आस-पास मौजूद ग्रामीणों ने सूझबूझ दिखाते हुए एक साथ शोर मचाना शुरू कर दिया, जिससे घबराकर बाघ शंकर को छोड़कर पास के नाले की झाड़ियों में वापस भाग गया।

अधिकारियों की गैरमौजूदगी पर गडक़े ग्रामीण

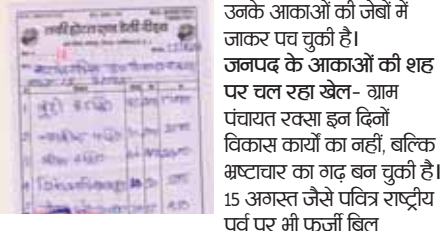
घटना के वक्त मौके का मंजर वन विभाग की लाचारी बयान कर रहा था। इतने संवेदनशील मामले में घटनास्थल पर महज पांच मैदानी वनकर्मी मौजूद थे, जबकि मानपुर वन परिक्षेत्र का

स्वतंत्रता दिवस पर भ्रष्टाचार की मिटास

रक्सा पंचायत में 85 किलो बूंदी और नमकीन का बिल

मानपुर। भ्रष्टाचार की जब-जब नई परिभाषएं लिखी जाएंगी, जनपद पंचायत मानपुर की ग्राम पंचायत रक्सा का नाम उसमें स्वर्ण अक्षरों में दर्ज होगा, विकास के नाम पर कोड़ी-कोड़ी को तरसती पंचायत में भ्रष्टाचार के ऐसे-ऐसे स्वाक्षि्ट कारनामे अंजाम दिए जा रहे हैं कि आम जनता ही नहीं, बल्कि परिदे भी हैरान हैं। ताजा मामला 15 अगस्त यानी स्वतंत्रता दिवस का है, जब पूरे देश में देशभक्ति का जज्बा उमड़ रहा था, तब रक्सा पंचायत के कर्ताधर्ता सरकारी खजाने में सेंधमारी का जश्न मना रहे थे। कागजों पर 85 किलो बूंदी और 10 किलो नमकीन की ऐसी दावत उड़ाई गई कि देखते ही देखते 22,350 रुपये का सरकारी बजट हजम कर लिया गया।

लकी होटल के बिल से चमकी किरमस्त- साहब, जरा हिसाब-किताब का गणित समझिए- लकी होटल के नाम से कटे एक बिल के सहार कागजों में 85 किलोग्राम बूंदी, 10 किलोग्राम नमकीन, 6 किलोग्राम मीठा, डिस्पोजल गिलास और 10 बंडल प्लेट्स की खरीदारी दर्ज करा दी गई। अब सवाल यह उठता है कि स्वतंत्रता दिवस के दिन इतनी भारी-भरकम मात्रा में बांटी गई बूंदी और नमकीन आखिर गई तो गई कहा! क्या यह सरकारी मिठास सिर्फ कागजों तक सीमित रही या फिर जिम्मेदार ही इसे चुपचाप डकार गए? गांव के बच्चे और ग्रामीण तो आज भी हाथ मलते रह गए कि आखिर उन्हें यह शाही प्रसाद क्यों नहीं नसीब हुआ। ग्रामीण दबी जुबान में कह रहे हैं कि यह 85 किलो बूंदी किसी जनता के पेट में नहीं, बल्कि सरपंच-सचिव और जनपद में बैठे



भुनाकर सरकारी खजाने को घुसा लगाने पर रहेज नही किया गया। हैरत की बात तो यह है कि शरन के पैसों की इस तरह सरेआम बखर्क़ाट हो रही है और जनपद में बैठे वरिष्ठ अधिकारियों ने अपनी आंखो पर पट्टी बांध रखी है। क्या जनपद पंचायत के आला अधिकारियों को इन बिलों की कोई खबर नहीं है या फिर अंधेर नगरी चौपट राजा की जंज पर ऊपर से लेकर नीचे तक बहती गंगा में सब अपने हाथ धो रहे हैं? ग्रामीणों ने उठाई उच्चस्तरीय जांच की मांग- सरकारी खजाने की खुलेआम गूट से रक्सा पंचायत की जनता में आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों की मांग है कि 15 अगस्त के नाम पर निकले गए इस 22,350 रुपये के बिल और सामग्री विवरण के नाम पर किए गए घालमेल की निष्पक्ष व उच्चस्तरीय जांच कराई जाए। यदि निष्पक्ष जांच होती है, तो कई सफेदपोशों की गर्दन फंसना तय माना जा रहा है।

पति की दीर्घायु और सुखी दांपत्य की कामना आज महिलाएं रखेंगी निर्जला तीज व्रत



रा ज न ग र ।

हरितालिका तीज पर्व को लेकर महिलाओं के बीच उत्साह है, जहां वे पति की लंबी उम्र की कामना से निर्जला व्रत रखेंगी। नहाय-खाय के साथ आज शिव-पार्वती की विशेष पूजा होगी। कुंवारी कन्याएं भी मनचाहे वर के लिए यह व्रत रखती हैं। नगर परिषद बनगवां (राजनगर) क्षेत्र के अंतर्गत पति की दीर्घायु और सुख-समृद्धि की

कामना को लेकर मनाया जाने वाला तीज उर्फ हरितालिका पर्व को लेकर सुहागिन महिलाओं में उत्साह है। पर्व का नहाय-खाय रविवार को संपन्न हो गया, आज महिलाएं निर्जला उपवास रखेंगी। आज तीज पर्व को लेकर महिलाओं ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। नहाय-खाय के दिन महिलाओं ने स्नान कर शुद्धता के साथ पूजा-अर्चना की और सात्विक भोजन ग्रहण किया। निर्जला व्रत रखकर करेंगी शिव-पार्वती की पूजा कर सोमवार को महिलाएं निर्जला व्रत रखेंगी और भगवान शिव व माता पार्वती की पूजा-अर्चना करेंगी। मान्यता है, कि इस व्रत को करने से पति की दीर्घायु तथा दांपत्य जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है। पर्व को लेकर महिलाओं में खासा उत्साह है और उन्होंने पूजा की तैयारियां शुरू कर दी हैं। पंडित जी ने बताया कि हरतालिका तीज 2026 का व्रत 14 सितंबर, सोमवार को रखा जाएगा। इस दिन शिव-पार्वती की पूजा के लिए सुबह 6:05 बजे से 7:06 बजे तक सिर्फ 1 घंटा 1 मिनट का शुभ मुहूर्त रहेगा। उन्होंने बताया कि सुहागिन महिलाएं पति की लंबी उम्र और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना से व्रत रखती हैं। वहीं, कुंवारी कन्याएं भी मनचाहे वर को कामना के लिए हरतालिका तीज का व्रत करती हैं। हरतालिका तीज पर भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा की जाती है। हरितालिका तीज को लेकर राजनगर के भगत सिंह चौक बाजार में भी जबरदस्त चहल-पहल देखी गयी। पर्व को लेकर महिलाओं ने पूजा की सामग्री और अन्य आवश्यक सामानों की खरीदारी की। नहाय-खाय के बाद आज से शुरू होने वाले निर्जला व्रत को लेकर महिलाओं में उत्साह बना हुआ है।



पति की दीर्घायु के लिए आज रखेंगी महिलाएं हरतालिका तीज का व्रत

कोतमा। रविवार को कोतमा नगर के बाजार मे सुबह से ही चहल पहल रही। सोमवार को सुबह सूर्योदय काल में महिलाएं नदी में जाकर मोन संकल्प के साथ आस्था की डुबकी लगायेंगी। शाम को फुलेहरा सजाकर रात्रि में भगवान शिव की कथा सुनेंगी। मान्यता है कि भोलेनाथ प्रसन्न होकर व्रत धारी महिलाओं के पति की दीर्घायु का आशीर्वाद देते हैं। पर्व को लेकर रविवार को दिनभर घर से लेकर बाजार में चहल पहल बनी रही। यह व्रत सबसे कठिन निर्जला रखा जाता है। नगर के गांधी चौक में मिट्टी से बने कलश शिवलिंग की पूजा सामग्री के साथ फूलों से बने फुलेहरा की जमकर बिक्री हुई। दुकानदारों ने बताया 100 रूपए से लेकर हर श्रेणी के फुलेहरा की मांग रही। वही केला सेब की बिक्री भी महंगे दामों में हुई। हरतालिका तीज को लेकर नगर के गांधी चौक, आजाद चौक, पुरानी बस्ती, पंचायती मंदिर, गौरीशंकर मंदिर, बूढ़ी माता मंदिर, ठाकुर बाबा धाम मंदिर सहित मोहल्लों एवं घरों में महिलाओं द्वारा फुलेहरा सजाकर पूजा अर्चना की जायेगी। सोमवार को केवई नदी तट में भीर मे महिलाएं नदी में स्नान व पूजन के लिए पहुंचेंगी। फिर घर में निर्जला व्रत की शुरुआत करेगी चालू। रात्रि में फुलहार बनाकर भजन कीर्तन का दौर प्रारंभ हो जायेगा पूजा के लिए भगवान शिव माता पार्वती और भगवान गणेश की मिट्टी की मूर्ति को जरूरत होती है महिलाओं ने स्वयं अपने हाथ से मूर्तियां का निर्माण किया है। पूरी रात महिलाएं फुलेहरा के नीचे बैठकर भजन कीर्तन करते हुए रात्रि जागरण करेंगी। मंगलवार को सूर्योदय के पूर्व महिलाएं घरों जलाशयों एवं नदी तट के किनारे पहुंचकर मोन स्नान कर भगवान शिव पार्वती की पूजा के पश्चात व्रत की शुरुआत करेंगी। महिलाओं ने मंगलवार को तीज का निर्जला व्रत तोड़कर पारण करेंगी। नगर के गांधी चौक, आजाद चौक, स्टेशन चौक में तीज के पूजन सामग्री की दुकानों मे जमकर महिलाओं ने खरीददारी की।



की तैयारी कराई गई। वहीं विद्यार्थियों ने भी शिक्षकों के मार्गदर्शन में पूरी लगन और मेहनत के साथ अध्ययन करते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विद्यालय के प्राचार्य अवधराज सिंह सोलंकी ने इस उपलब्धि का श्रेय विद्यालय

के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों के सहयोग को देते हुए कहा कि शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम विद्यालय की पूरी टीम की मेहनत का परिणाम है। उन्होंने कहा कि विद्यालय परिवार भविष्य में भी विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करने तथा परीक्षा परिणामों को और बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास करता रहेगा। जिला स्तरीय मंच पर प्राचार्य एवं विषय शिक्षकों को सम्मानित किए जाने से विद्यालय परिवार में खुशी की लहर है। शिक्षकों ने सम्मान को विद्यार्थियों के प्रति अपनी जिम्मेदारी को और अधिक जजबूती से निगले की प्रेरणा बताया। विद्यालय की इस उपलब्धि पर स्थानीय नागरिकों, अभिभावकों एवं शिक्षा जगत से जुड़े लोगों ने प्राचार्य एवं सभी सम्मानित शिक्षकों को बधाई देते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

विद्यालय का शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम न केवल विद्यार्थियों की सफलता का प्रमाण है, बल्कि प्राचार्य एवं शिक्षकों की समर्पित शैक्षणिक सेवाओं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की भी दर्शाता है।



अमरकंटक में निशुल्क चिकित्सा शिविर में 82 मरीजों का पंजीयन

अमरकंटक। सेवा, समर्पण और संवेदना को केंद्र में रखकर श्री कल्याण सेवा आश्रम अमरकंटक द्वारा संचालित चंद्रचार्य धर्मार्थ चिकित्सालय अमरकंटक एवं प्रथम हॉस्पिटल बिलासपुर के संयुक्त तत्वावधान में प्रति रविवार आयोजित होने वाला निशुल्क चिकित्सा शिविर इस रविवार भी श्रद्धा, सेवा और चिकित्सा-सुविधा के भाव के साथ संपन्न हुआ। शिविर में क्षेत्र के ग्रामीण एवं नगरवासियों ने पहुंचकर स्वास्थ्य परीक्षण कराया और विशेषज्ञ चिकित्सकों से आवश्यक परामर्श प्राप्त किया। शिविर के दौरान कुल 82 मरीजों का पंजीयन किया गया। मरीजों का चिकित्सकीय परीक्षण करते हुए उनकी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को सुना गया तथा आवश्यकतानुसार उपचार एवं चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया गया। शिविर में विशेष रूप से शुगर एवं ब्लड प्रेशर (बीपी) की जांच की गई, जिससे लोगों को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने और समय रहते आवश्यक उपचार लेने में सहायता मिली। निशुल्क चिकित्सा शिविर में डॉ. सुभाष सिंह, डॉ. पाठक एवं डॉ. एसके तिवारी ने मरीजों का परीक्षण कर चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया। वहीं प्रयोगशाला जांच की जिम्मेदारी लैब टेक्नीशियन राजेश कुमार तिवारी द्वारा निभाई गई। शिविर को सफल बनाने में सुखनंदन सिंह, श्रीमती ईश्वरी पांड्या, रामसनेही नापित एवं दीपक कुमार चंद्रवंशी सहित सेवा से जुड़े अन्य सहयोगियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सभी ने मरीजों के पंजीयन, जांच एवं चिकित्सकीय व्यवस्था में सहयोग करते हुए शिविर को सुव्यवस्थित रूप से संपन्न कराने में योगदान दिया। श्री कल्याण सेवा आश्रम अमरकंटक द्वारा संचालित चंद्रचार्य धर्मार्थ चिकित्सालय लंबे समय से जरूरतमंद एवं आर्थिक रूप से कमजोर लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है। प्रति रविवार आयोजित होने वाले इन निशुल्क चिकित्सा शिविरों के माध्यम से दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले लोगों को विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श एवं प्राथमिक स्वास्थ्य जांच की सुविधा मिल रही है। अमरकंटक जैसे धार्मिक एवं वनांचल क्षेत्र में इस प्रकार के नियमित स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन स्थानीय नागरिकों के लिए महत्वपूर्ण सहारा बन रहा है। विशेषकर बुजुर्गों, ग्रामीणों तथा आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए निशुल्क जांच एवं चिकित्सकीय परामर्श स्वास्थ्य के प्रति नई जागरूकता का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। शिविर के माध्यम से यह संदेश भी दिया गया कि स्वस्थ शरीर ही स्वस्थ समाज की आधारशिला है और समय-समय पर स्वास्थ्य की जांच कराते रहना गंभीर बीमारियों से बचाव की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। श्री कल्याण सेवा आश्रम की यह पहल चिकित्सा को केवल उपचार का माध्यम न मानकर सेवा, करुणा और मानव कल्याण का माध्यम बनाने की दिशा में निरंतर और बढ़ रही है। आश्रम द्वारा संचालित इस सेवा कार्य से अमरकंटक एवं आसपास के क्षेत्र के जरूरतमंद लोगों को नियमित रूप से लाभ मिल रहा है।



खबर संक्षेप



सीएमओ ने वार्ड क्रमांक 18, 31 एवं 32 का किया निरीक्षण

शहडोल। मुख्य नगर पालिका अधिकारी शहडोल श्रीमती आशा जितेंद्र भंडारी ने नगर के वार्ड क्रमांक 18, 31 एवं 32 का निरीक्षण किया। उन्होंने वार्डों में साफ-सफाई, नालियों, सडकों एवं जल निकासी व्यवस्था का जायजा लिया तथा वार्डवासियों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। निरीक्षण के दौरान वार्डवासियों ने नालियों की सफाई तथा सडकों पर जगह-जगह बने गड्ढों की समस्या से सीएमओ को अवगत कराया। नागरिकों ने बताया कि सडकों की खराब स्थिति के कारण आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सीएमओ ने नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए मौके पर ही संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। सडकों पर बने गड्ढों को देखते हुए मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने संबंधित उपयंत्री श्री शरद द्विवेदी को निर्देशित किया कि गड्ढों में तत्काल गुरुन डलवाकर सडक को समतल कराया जाए, ताकि नागरिकों को आवागमन में राहत मिल सके। साथ ही नालियों की सफाई कर जल निकासी व्यवस्था सुचारु बनाए रखने के भी निर्देश दिए। सीएमओ ने कहा कि नगर के सभी वार्डों में मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाना नगर पालिका की प्राथमिकता है। वार्डवासियों द्वारा बताई गई समस्याओं का मौके पर निरीक्षण कर प्राथमिकता के आधार पर निराकरण कराया जाएगा। उन्होंने संबंधित कर्मचारियों को सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने तथा वार्डों में नियमित रूप से मैदानों निरीक्षण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान पूर्व पाषांड कुलदीप विगम, उपयंत्री शरद द्विवेदी, नगर पालिका के कर्मचारी एवं संबंधित वार्डों के वार्डवासी उपस्थित रहे।

सोन नदी का जल स्तर घटते ही सक्रिय हुआ रेत माफिया



शहडोल। सोन नदी का जलस्तर कम होते ही अमलाई थाना क्षेत्र में अवैध रेत निकासी का खेल एक बार फिर तेज हो गया है। बकहो बस्ती के अंदर से लेकर साबो ग्राम के पीछे नदी क्षेत्र तक कथित रूप से ट्रैक्टर लगाकर रेत की चोरी किए जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार सुबह से ही रेत से लदे ट्रैक्टरों की आवाजाही शुरू हो जाती है और दिनभर नदी से खनिज संपदा का अवैध दोहन जारी रहता है। स्थानीय स्तर पर सामने आ रही जानकारी के मुताबिक इरफान, मकबूल, वक्कास और अशफाक नामक व्यक्तियों द्वारा ट्रैक्टर लगाकर रेत निकासी किए जाने के आरोप हैं। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। सवाल यह है कि यदि नदी क्षेत्र में खुलेआम रेत का उत्खनन और परिवहन हो रहा है तो संबंधित विभागों की निगरानी व्यवस्था आखिर कहाँ है? अवैध रेत निकासी का यह कारोबार केवल शासन को राजस्व की क्षति तक सीमित नहीं है, बल्कि नदी के प्राकृतिक स्वरूप और पर्यावरण के लिए भी गंभीर खतरा बन रहा है। नदी के तल से अनियंत्रित तरीके से रेत निकालने से तटों की स्थिति प्रभावित होने के साथ आसपास के क्षेत्रों में भी खतरा बढ़ सकता है। सबसे गंभीर सवाल स्थानीय पुलिस और खनिज विभाग की भूमिका को लेकर उठ रहा है। लोगों के बीच चर्चा है कि लगातार चल रही गतिविधियों की जानकारी जिम्मेदार अमले को नहीं है या फिर कार्रवाई को लेकर जानबूझकर आंखें मूंद ली गई हैं। यदि शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं होती तो यह व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा करता है। वहाँ रेत के अवैध कारोबार से जुड़े लोगों के बीच आपसी प्रतिस्पर्धा भी कभी गंभीर विवाद हो सकती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि रेत के कारोबार में वर्चस्व को लेकर बढ़ती प्रतिद्वंद्विता किसी भी दिन बड़े विवाद या हादसे का कारण बन सकती है। अब देखना यह है कि प्रशासन सोन नदी क्षेत्र में वास्तविक स्थिति की जांच कर अवैध उत्खनन पर रोक लगाता है या फिर नदी की रेत के साथ सरकारी व्यवस्था की जवाबदेही भी बहती रहती है।

हमारा आंगनबाड़ी, हमारी जिम्मेदारी थीम पर एक माह तक होंगे पोषण जागरूकता कार्यक्रम

9वें राष्ट्रीय पोषण माह का शुभारंभ

शहडोल।

महिला एवं बाल विकास विभाग के तत्वावधान में कलेक्टर पार्थ जायसवाल एवं संभागीय संयुक्त संचालक डी.के. सिद्धार्थ के मार्गदर्शन में जिले में 9वें राष्ट्रीय पोषण माह 2026 का गरिमाभय शुभारंभ किया गया। हमारा आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी थीम पर यह अभियान 9 सितम्बर से 8 अक्टूबर 2026 तक संचालित किया जाएगा। इसी क्रम में जिला स्तरीय शुभारंभ कार्यक्रम जनपद सभागार, सोहागपुर में उत्साह एवं गरिमापूर्ण वातावरण में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में विधायक जयसिंहनगर श्रीमती मनीषा सिंह, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती फूलवती सिंह, सदस्य जिला योजना समिति श्रीमती अमिता चपरा एवं मनोज गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के पूजन, दीप प्रज्वलन एवं कन्या पूजन के साथ किया गया। जिला कार्यक्रम अधिकारीअखिलेश मिश्रा ने राष्ट्रीय पोषण माह के



उद्देश्यों एवं महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. निशा चतुर्वेदी एवं सहायक संचालक श्रीमती सतवंत कौर द्वारा किशोरी बालिकाओं को मासिक धर्म स्वच्छता, स्वास्थ्य देखभाल एवं संतुलित पोषण के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई।

पोषण के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से कार्यक्रम में नुककड़ नाटक, पारंपरिक कर्मा

नृत्य एवं पोषण आधारित सुमधुर गीतों की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गईं। कार्यक्रम स्थल पर पारंपरिक पोषण प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसमें पोषणयुक्त आहार एवं स्वस्थ जीवनशैली से संबंधित जानकारी प्रदर्शित की गई।

इस अवसर पर बालिकाओं के लिए हीमोग्लोबिन परीक्षण शिविर आयोजित किया



गया। शिविर में सर्वाधिक हीमोग्लोबिन स्तर वाली बालिकाओं को मिस हीमोग्लोबिन के खिताब एवं पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन विभागीय प्रतिनिधियों द्वारा किया गया। अंत में सहायक संचालक आनंद अग्रवाल ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।



कार्यक्रम में संभागीय संयुक्त संचालक डी.के. सिद्धार्थ, उपसंचालक गौतम अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी अखिलेश मिश्रा, सहायक संचालक आनंद अग्रवाल एवं श्रीमती सतवंत कौर हुरा सहित सीडीपीओ, पर्यवेक्षक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं किशोरी बालिकाएं उपस्थित रहीं।

आगामी त्रौहारों को लेकर शांति समिति की बैठक सम्पन्न, व्यवस्थाओं पर हुई चर्चा, विसर्जन कुंड पर सफाई व पार्किंग के दिए निर्देश



बुढ़ा।

आगामी दिनों में पड़ने वाले गणेश चतुर्थी, विश्वकर्मा जयंती और ढोल ग्यारस के त्रौहारों के मद्देनजर पुलिस व्यवस्था और नगर की स्वच्छता को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में बिजली विभाग, नगर पालिका के अधिकारियों के साथ-साथ नगर के गणमान्य नागरिकों ने



भी हिस्सा लिया। प्रमुख निर्णय एवं सुझाव, विसर्जन व्यवस्था: नगर निरीक्षक संजय कुमार जायसवाल, नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती शालिनी सरावगी और राष्ट्रपति पुरस्कृत शिक्षक शिवेंद्र द्विवेदी के आतिथ्य में निर्णय लिया गया कि पिछले वर्षों की तरह इस वर्ष भी गणेश विसर्जन कुंड के मार्ग पर साफ-सफाई और पार्किंग की उचित व्यवस्था की जाए। इससे विसर्जन के दौरान बड़ी

मूर्तियों के आवागमन में परेशानी नहीं होगी, विद्युत सुरक्षा: बिजली विभाग के हिमांशु पाण्डेय ने सभी गणेश पंडाल अध्यक्षों से आग्रह किया है कि सुरक्षा की दृष्टि से अस्थाई विद्युत कनेक्शन लाने के बाद ही बिजली का उपयोग करें।, यातायात प्रबंधन: पूर्व नपा उपाध्यक्ष पुष्पेन्द्र ताम्रकार ने सुझाव दिया कि गणेश उत्सव के दौरान यातायात

व्यवस्था को सुचारु बनाने के लिए नगर में वन-वे ट्रैफिक सिस्टम लागू किया जाए।

उपस्थिति-बैठक में राकेश पाण्डेय, पत्रकार आशीष नामदेव, राधिका तिवारी, अर्जुन सोनी, भाग चंद्र सोनी, अर्जुन दास नथानी, शैलेन्द्र सराफ, अभिषेक शर्मा, पाषंद मोहन बैगा, हर्ष पाठक, प्रशांत जैन और राहुल नामदेव सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

माटी गणेश-सिद्ध गणेश कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश मिट्टी से बनाई गई गणेश प्रतिमा, दिया गया प्रशिक्षण

शहडोल।

पर्यावरण संरक्षण एवं प्राकृतिक संसाधनों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से माटी गणेश-सिद्ध गणेश कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक विवेक पाण्डेय, विकासखंड समन्वयक श्रीमती प्रिया सिंह बघेल, नवांकुर संस्था सेक्टर-4 करकटी नित्या नेचुरल डिबेट सोशल फाउंडेशन से प्रदीप सिंह, सेक्टर खेरहा की भूमनेश्वरी संस्था से राघवेंद्र शुक्ला एवं सनथ त्रिपाठी, प्रस्फुटन समिति से पिकी दीमर, अनुपमा पनिका, प्रिया वर्मा, राजू कुशवाहा, सुशीला दीमर, प्रदीप गुप्ता सहित प्रस्फुटन समितियों के



सदस्यों एवं नवांकुर सखियों ने सहभागिता की। प्रशिक्षण के दौरान मूर्तिकार श्री राज बैगा के मार्गदर्शन में उपस्थित सदस्यों ने मिट्टी से भगवान गणेश की प्रतिमा का प्रतिमा बनाने के लिए प्रेरित करना

प्रतिमा निर्माण की प्रक्रिया तथा पर्यावरण के अनुकूल गणेश उत्सव मनाने के संबंध में जानकारी दी गई। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को मिट्टी से गणेश प्रतिमा बनाने के लिए प्रेरित करना

तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश देना रहा। उपस्थित सदस्यों ने प्राकृतिक सामग्री से गणेश प्रतिमा निर्माण को अपनाने एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

सड़कों पर सुगम यातायात और यात्रियों की सुरक्षा के लिए पुलिस की पहल

यातायात थाने में अब हर ऑटो का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य, नियमों की अनदेखी पर होगी सख्ती

शहडोल। शहडोल शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने और यात्रियों की सुरक्षा पुष्टा करने के उद्देश्य से जिला पुलिस ने सख्त कदम उठाए हैं। शनिवार 12 सितंबर को पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल के दिशा-निर्देशन में यातायात थाना परिसर में ऑटो चालकों के लिए एक विशेष जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। इस दौरान ऑटो संघ के पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में चालक मौजूद रहे।

थानों में अनिवार्य होगा रजिस्ट्रेशन, जारी होंगे आईडी कार्ड

यातायात पुलिस ने स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं कि शहर में संचालित होने वाले सभी ऑटो चालकों को यातायात थाने में अपना अनिवार्य पंजीयन कराना होगा। पंजीयन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद पुलिस विभाग द्वारा प्रत्येक वाहन को एक विशेष 'ऑटो क्रमांक' और चालक को आधिकारिक पहचान पत्र (आईडी कार्ड) जारी किया जाएगा। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में चलने वाले ऑटो चालकों की पहचान आसान बनाने के लिए दोनों श्रेणियों के वाहनों पर अलग-अलग रंग या डिजाइन के मोनोग्राम लगाए जाएंगे। अधिकारियों ने चेतावनी दी

है कि बिना रजिस्ट्रेशन शहर में ऑटो का संचालन पाए जाने पर वैधानिक दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही जाम की समस्या से निपटने के लिए जल्द ही निर्धारित स्थलों पर ऑटो पार्किंग की व्यवस्था की जाएगी।

कागजात दुरुस्त रखने के निर्देश कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधिकारियों ने चालकों को वाहन के सभी वैध दस्तावेज दुरुस्त रखने की हिदायत दी। यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोपरि बताते हुए क्षमता से अधिक सवारों न बैठाने और यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करने की अपील की गई। इसके अलावा, पुलिस ने चालकों को सुरक्षा की दृष्टि से सजग प्रहरी बनने का आह्वान किया। निर्देश दिए गए कि यदि वाहन में कोई संदिग्ध व्यक्ति या लावारिस वस्तु दिखे, तो तत्काल नजदीकी थाना या पुलिस कंट्रोल रूम को सूचित करें ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

कार्यालय कलेक्टर समग्र शिक्षा अभियान जिला अनुपपुर
विकासखण्ड अकादमिक समन्वयक एवं जनशिक्षक रिक्त पदों की पूर्ति

प्रेस विज्ञप्ति
दिनांक : 09 सितंबर 2026

समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत जिला अनुपपुर में विकासखण्ड अकादमिक समन्वयक (BAC) एवं जनशिक्षक (CAC) के रिक्त पदों की पूर्ति प्रतिनियुक्ति/चयन हेतु काउंसिलिंग दिनांक 19-09-2026 को 11 बजे कार्यालय जिला पंचायत अनुपपुर के सभागार में आयोजित की गई है। जिला अनुपपुर अंतर्गत कार्यरत उच्च श्रेणी शिक्षक/माध्यमिक शिक्षक को सूचित किया जाता है आवश्यक अभिलेख सहित निर्धारित काउंसिलिंग में उपस्थित होना सुनिश्चित करें। अर्हता संबंधी एवं अन्य नियम शर्तों, विस्तृत विवरण कार्यालय जिला शिक्षा केन्द्र, अनुपपुर के सूचना पटल पर वरसा किया गया है। (कलेक्टर महोदय द्वारा अनुमोदित) जिला परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा केन्द्र, अनुपपुर

ख़बर संक्षेप

रौतेल पर फेसबुक पर अमट्र टिप्पणी, भाजपा कार्यकर्ताओं ने मांगी एकआईआर



अनूपपुर। मध्यप्रदेश राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष एवं

पूर्व विधायक रामलाल रौतेल की फेसबुक पोस्ट पर कथित तौर पर गाली-गलौज और आपत्तिजनक टिप्पणियों का मामला तुल पकड़ता जा रहा है। भाजपा के अनूपपुर ग्रामीण चर्चाई मंडल के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने चर्चाई थाने में सामूहिक ज्ञापन सौंपकर संबंधित फेसबुक यूजर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है। कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि रौतेल के फेसबुक अकाउंट पर अपलोड फोटो पर लक्ष्मीनारायण गुप्ता नामक फेसबुक यूजर ने कई आपत्तिजनक टिप्पणियों की। ज्ञापन में कथित अपशब्दों का उल्लेख करते हुए इसे सार्वजनिक रूप से अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल बताया गया है। भाजपा कार्यकर्ताओं का कहना है कि लोकतंत्र में राजनीतिक असहमति और आलोचना का अधिकार सभी को है, लेकिन असहमति की आड़ में किसी सार्वजनिक व्यक्ति के लिए कथित तौर पर गाली-गलौज और अपमानजनक भाषा का प्रयोग स्वीकार्य नहीं है। उनका आरोप है कि इस तरह की टिप्पणियों से रौतेल की सामाजिक एवं सार्वजनिक प्रतिष्ठा प्रभावित हुई है। ज्ञापन में पुलिस से फेसबुक पोस्ट और संबंधित टिप्पणियों के स्क्रीनशॉट सुरक्षित कराने के साथ प्रोफाइल की वास्तविक पहचान का सत्यापन करने की मांग की गई है। कार्यकर्ताओं ने पोस्ट एवं कमेंट की दिनांक, समय, प्रोफाइल लिंक और कमेंट यूआरएल सहित डिजिटल साक्ष्य संकलित कर एक-नकी जांच कराने की मांग की। भाजपा कार्यकर्ताओं ने मामले की साइबर सेल के माध्यम से जांच कराने तथा जांच में आरोप प्रमाणित पाए जाने पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 352, 356 सहित अन्य लागू प्रावधानों के तहत एकआईआर दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की मांग की है। कार्यकर्ताओं ने पुलिस प्रशासन से निष्पक्ष जांच और प्रभावी कार्रवाई की मांग करते हुए सोशल मीडिया पर इस तरह की कथित अभद्रता की पुनरावृत्ति रोकने की बात कही है। रामलाल रौतेल भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व विधायक हैं तथा वर्तमान में मध्यप्रदेश राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष हैं।

नहीं सुधरी वार्ड 13 की सड़क, जिम्मेदारों की कार्यप्रणाली पर सवाल

अनूपपुर। नगर पालिका परिषद अनूपपुर के वार्ड क्रमांक 13 में राकेश तिवारी के घर के पीछे स्थित सड़क की बहहाल स्थिति अब स्थानीय रहवासियों के लिए परेशानी का कारण बन गई है। सड़क की खराब हालत से आवागमन प्रभावित हो रहा है, वहीं बार-बार शिकायत और जिम्मेदारों का ध्यान आकर्षित किए जाने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं होने से नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के पूर्व महासचिव एवं समाजसेवक एडवोकेट जयंत राव ने बताया कि सड़क की समस्या को लेकर नगर पालिका परिषद के जिम्मेदारों से कई बार चर्चा की जा चुकी है। इसके बावजूद मौके पर ठोस कार्रवाई नहीं होने से स्थिति जस की तस बनी हुई है। उनका कहना है कि सड़क जैसी बुनियादी सुविधा के लिए भी यदि नागरिकों को लगातार शिकायत करनी पड़े और इसके बाद भी राहत न मिले, तो यह जिम्मेदार व्यवस्था की गंभीर उदासीनता को दर्शाता है। जयंत राव ने कहा कि वार्ड की मूलभूत समस्याओं का समाधान कराना नगर पालिका के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों, संबंधित पार्षद और प्रशासनिक अधिकारियों की जिम्मेदारी है। जनता से जुड़े मुद्दों की जानकारी लेना ही प्यौत नहीं है, बल्कि उनका समस्याबद्ध निराकरण कराना भी जनप्रतिनिधियों का दायित्व है।

हरतालिका तीज और गणेश चतुर्थी का अद्भुत संयोग, एक ही दिन होंगे दोनों पर्व

संजय चौधरी के आरोपों के बाद भी कांग्रेस पार्षदों पर कार्रवाई क्यों नहीं? भाजपा का अध्यक्ष, कांग्रेस का ‘मंत्रिमंडल’! पीआईसी पर घिरे गुड्डू चौहान

भाजपा की सत्ता में कांग्रेस की भागीदारी को लेकर संगठन की चुप्पी पर सवाल

अनूपपुर। नगर पालिका परिषद अनूपपुर में पीआईसी के ताजा सियासी फेरबदल ने भाजपा की अंदरूनी खींचतान के साथ कांग्रेस संगठन की भूमिका पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। वार्ड क्रमांक-2 के पार्षद एवं सभापति संजय चौधरी का इस्तीफा मंजूर होने के बाद वार्ड क्रमांक-9 के पार्षद अनिल पटेल को नया सभापति बनाए जाने से नगरपालिका की राजनीति फिर गरमा गई है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब नगरपालिका अध्यक्ष भाजपा का है, तो उसकी महत्वपूर्ण पीआईसी में कांग्रेस पार्षदों की भूमिका आखिर किस राजनीतिक समीकरण का नतीजा है? पीआईसी में कांग्रेस पार्षदों की मौजूदगी को लेकर लंबे समय से राजनीतिक चर्चाएं होती रही हैं। भाजपा के भीतर मतभेद और सभापति पद को लेकर हुए बदलाव के बीच कांग्रेस पार्षदों की भूमिका और अधिक चर्चा में आ गई है। ऐसे में विपक्षी दल कांग्रेस के जिला संगठन से यह सवाल पूछा जा रहा है कि उसके निर्वाचित पार्षद सत्ता पक्ष की महत्वपूर्ण समिति में किस हैसियत से भागीदारी कर रहे हैं?

संजय चौधरी के आरोपों के बाद भी कार्रवाई क्यों?

पीआईसी को लेकर पूर्व में भाजपा पार्षदों अनिल पटेल, प्रवीण सिंह और गणेश रौतेल के इस्तीफे तथा परिषद में अनदेखी के आरोप सामने आ चुके हैं। इसके बाद कांग्रेस पार्षदों की पीआईसी में भूमिका ने राजनीतिक समीकरण को और पेचीदा बना दिया। अब संजय चौधरी के इस्तीफे के बाद एक बार फिर सवाल उठ रहे हैं कि यदि कांग्रेस पार्षद सत्तारूढ़ व्यवस्था की महत्वपूर्ण समिति में शामिल हैं और इसको लेकर राजनीतिक आरोप-

तीजा पर पत्नी ने दिखाई हिम्मत, पति की बर्खाई जान, शरीर में बचा था महज 1.6 ग्राम खून

सामाजिक कार्यकर्ता, सरपंच और चिकित्सकों के प्रयास से बची 28 वर्षीय युवक की जिंदगी

अनूपपुर। तीजा पर्व पर जब महिलाएं पति की लंबी उम्र की कामना के लिए व्रत रख रही थीं, उसी दौरान ग्राम सकरा की मानमति सिंह अपने गंभीर रूप से बीमार पति की जिंदगी बचाने के लिए अस्पताल में संघर्ष कर रही थीं।



पति की हालत इतनी गंभीर थी कि शरीर में महज 1.6 ग्राम ओ पीजिटिव ही मो र लो बि न बताया गया। ऐसे समय में सा मा जि क कार्यकर्ता, ग्राम पंचायत सरपंच और जिला चिकित्सालय के चिकित्सकों ने तत्परता दिखाई और समय पर रक्त की व्यवस्था व

उपचार मिलने से युवक की जान बच सकी। जिला मुख्यालय से करीब 10 किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत सकरा के वार्ड क्रमांक-1 डोंगरीटोला निवासी 28 वर्षीय राघवेंद्र सिंह पिता जय सिंह गोंड विभिन्न गंभीर बीमारियों से पीड़ित हैं। तबीयत बिगड़ने पर उनकी पत्नी मानमति सिंह और परिजन उन्हें जिला चिकित्सालय अनूपपुर लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकीय जांच के बाद उनकी स्थिति गंभीर बताई गई। राघवेंद्र के शरीर में खून की बेहद कमी होने की जानकारी मिलने पर उनकी पत्नी ने पूर्व परिचित सामाजिक कार्यकर्ता शशिधर अग्रवाल से संपर्क किया। उन्होंने तत्काल एक यूनिट रक्त की व्यवस्था कराई। इसके बाद ग्राम पंचायत सकरा के सरपंच संतोष कुमार सिंह ने भी आगे बढ़कर रक्तदान की व्यवस्था कराई और उपचार के दौरान आवश्यक सहयोग जारी रखा। ड्यूटी डॉक्टर, मेडिकल विशेषज्ञ चिकित्सक एमपी मांडी और जिला चिकित्सालय के स्टाफ ने युवक की लगातार निगरानी करते हुए उपचार किया। रक्त की उपलब्धता और लगातार उपचार से राघवेंद्र के स्वास्थ्य में सुधार हुआ। हालत स्थिर होने के बाद चिकित्सकों की सलाह पर वह अपने परिवार के साथ घर लौट गया, जहां आगे का उपचार जारी है। राघवेंद्र की गंभीर हालत के बीच पत्नी मानमति ने हिम्मत नहीं छोड़ी। तीजा जैसे महत्वपूर्ण पर्व पर भी उन्होंने पति की जिंदगी बचाने के लिए अस्पताल में रहकर हरसंभव प्रयास किया। परिजनों के साथ सामाजिक कार्यकर्ता, सरपंच और चिकित्सकों के सहयोग से आश्चर्यकर उपचार सफल रहा।

रेलवे मजदूर कांग्रेस की मांग पर डीआरएम ने रेलवे कालोनी में बाउंड्री वॉल बनाने का दिया आदेश



अनूपपुर। साउथ ईस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर कांग्रेस शाखा अनूपपुर ने 21 अगस्त मंडल रेल प्रबंधक बिलासपुर राकेश रंजन के अनूपपुर आगमन पर जोनल कार्यकारी अध्यक्ष लक्ष्मण राव एवं शाखा उपाध्यक्ष रामदास राठौर व अन्य शाखा पदाधिकारियों के द्वारा ज्ञापन दिया था, मंडल रेल प्रबंधक

बिलासपुर ने ज्ञापन के मांग क्रमांक 4 पर न्यू शिवम रेलवे कालोनी अनूपपुर में तत्काल बाउंड्री वॉल बनाने व एक नया बोर कराने आदेश दिया, मजदूर कांग्रेस ने डीआरएम बिलासपुर का आभार व्यक्त किया। डीआरएम बिलासपुर के आदेश पर सहायक मंडल अभियंता शहडोल बुजेश

नारायण पाण्डेय व सीनियर सेक्शन इंजीनियर कार्य (इंचार्ज) अरविंद कुमार के निदेश पर 13 सितंबर को शुभ मुहूर्त सुबह 12:40 बजे जोनल कार्यकारी अध्यक्ष लक्ष्मण राव, सहायक सचिव एस संजीव राव, सीनियर सेक्शन इंजीनियर (कार्य) रोहित कुमार, सीनियर सेक्शन इंजीनियर

सुहागिन महिलाएं रखेंगी अखंड सौभाग्य की कामना, गणपति आराधना से विघ्नों के नाश की मान्यता

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

इस वर्ष 14 सितंबर, सोमवार को हरतालिका तीज और गणेश चतुर्थी का विशेष धार्मिक संयोग बताया जा रहा है। दोनों पर्व भगवान शिव, माता पार्वती और भगवान श्री गणेश की आराधना से जुड़े होने के कारण इस दिन का धार्मिक महत्व और बढ़ जाता है। ज्योतिषाचार्य पंडित अखिलेश त्रिपाठी के अनुसार तृतीया



ग्रामीणों ने जय अम्बे कंपनी का किया घेराव, चार घंटे काम रहा बंद भर्ती प्रक्रिया में स्थानीय ग्रामीणों को प्राथमिकता देने पर बनी सहमति



प्रबंधन और एसईसीएल अधिकारियों से हुई वार्ता

अनूपपुर। एसईसीएल के रामपुर बटुरा मेगा प्रोजेक्ट में ओबी एवं अन्य कार्यों में लगी जय अम्बे प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के खिलाफ ग्रामीणों ने रविवार को मोर्चा खोलते हुए कंपनी परिसर का घेराव किया। ग्रामीणों के आंदोलन के चलते करीब चार घंटे तक कंपनी का काम प्रभावित रहा। बड़ी संख्या में ग्रामीण, बेरोजगार युवा और क्षेत्रीय लोग मौके पर मौजूद रहे। आंदोलनकारियों ने भर्ती प्रक्रिया में स्थानीय लोगों को प्राथमिकता नहीं दिए जाने तथा कथित रूप से नेताओं से जुड़े लोगों को प्राथमिकता दिए जाने का आरोप लगाते हुए कंपनी प्रबंधन के सामने अपनी नाराजगी जताई। ग्रामीणों का कहना था कि रामपुर बटुरा मेगा प्रोजेक्ट में क्षेत्र के गांवों की जमीन और संसाधनों का उपयोग हो रहा है, ऐसे में परियोजना में निकलने वाले रोजगार के अवसरों में स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि कंपनी की भर्ती प्रक्रिया में स्थानीय बेरोजगार युवाओं की अपेक्षा बाहरी लोगों अथवा नेताओं से जुड़े लोगों को प्राथमिकता दी जा रही थी। इसी मुद्दे को लेकर ग्रामीणों में लगातार अस्तेषन बढ़ रहा था। आंदोलन के दौरान प्रकाश चंद्रा, खांडा के सूरज तिवारी, रामपुर सहित आसपास के गांवों के बड़ी संख्या में ग्रामीण

मौजूद रहे। प्रदर्शनकारियों ने कंपनी प्रबंधन के समक्ष अपनी मांग रखते हुए कहा कि भर्ती प्रक्रिया पारदर्शी होनी चाहिए और क्षेत्र के पात्र बेरोजगार युवाओं को उनकी योग्यता के अनुसार रोजगार का अवसर मिलना चाहिए।

चार घंटे तक प्रभावित रहा काम

ग्रामीणों के कंपनी परिसर के घेराव के कारण करीब चार घंटे तक काम बंद रहा। आंदोलनकारियों ने स्पष्ट किया कि जब तक भर्ती प्रक्रिया को लेकर कंपनी प्रबंधन की ओर से संतोषजनक आश्वासन नहीं दिया जाता, तब तक वे अपना आंदोलन जारी रखेंगे। स्थिति को देखते हुए कंपनी प्रबंधन एवं एसईसीएल के अधिकारियों ने ग्रामीणों से बातचीत शुरू की। मौके पर एसईसीएल मैनेजर अर्जुन जोड़े भी मौजूद रहे। इसके अलावा कंपनी की ओर से आलोक त्रिपाठी एवं रजनीश मिश्रा ने ग्रामीणों से बातचीत कर उनकी समस्याओं को सुना।

भर्ती प्रक्रिया को लेकर हुई चर्चा

वार्ता के दौरान ग्रामीणों ने सबसे प्रमुख मुद्दा कंपनी में होने वाली भर्ती को बताया। ग्रामीणों का कहना था कि स्थानीय क्षेत्र में बड़ी संख्या में युवा रोजगार की तलाश में हैं, लेकिन उन्हें भर्ती प्रक्रिया में अपेक्षित अवसर नहीं मिल रहा है। ग्रामीणों ने कंपनी प्रबंधन से मांग की कि भर्ती के लिए स्पष्ट प्रक्रिया बनाई जाए और स्थानीय पात्र युवाओं को प्राथमिकता दी

प्रत्यारोप सार्वजनिक हो चुके हैं, तो जिला कांग्रेस संगठन ने अब तक इस पर कोई स्पष्ट रुख क्यों नहीं रखा?

‘फूल छाप कांग्रेसी’ पर सख्ती, अनूपपुर में चुप्पी क्यों?

कांग्रेस संगठन में पार्टी लाइन से अलग जाकर भाजपा समर्थक गतिविधियों को लेकर समय-समय पर सख्त रुख की बात कही जाती रही है। ऐसे में अनूपपुर नगरपालिका का घटनाक्रम जिला कांग्रेस के सामने असहज सवाल खड़ा कर रहा है। क्या कांग्रेस जिला अध्यक्ष श्याम कुमार ‘गुड्डू’ चौहान ने संबंधित पार्षदों से जवाब-तलब किया? क्या संगठन ने उन्हें कोई दिशा-निर्देश दिए? यदि दिए गए तो उनका पालन हुआ या नहीं? और यदि पार्टी इस राजनीतिक भागीदारी से सहमत नहीं है तो अब तक संगठनात्मक कार्रवाई क्यों नहीं हुई?

गुड्डू चौहान की भूमिका पर निगाहें

पुरे मामले में अब कांग्रेस जिला अध्यक्ष श्याम कुमार ‘गुड्डू’ चौहान की भूमिका चर्चा के केंद्र में है। संगठनात्मक अनुशासन और पार्टी की राजनीतिक लाइन को जमीन पर लागू कराने की जिम्मेदारी जिला नेतृत्व की भी होती है। ऐसे में नगरपालिका की पीआईसी में कांग्रेस पार्षदों की भूमिका पर संगठन की सार्वजनिक चुप्पी कई सवाल खड़े कर रही है। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि यदि कांग्रेस ने विपक्ष में रहते हुए नगरपालिका की समितियों में भागीदारी की रणनीति तय की है तो संगठन को इसे स्पष्ट करना चाहिए। वहीं यदि यह पार्षदों का व्यक्तिगत निर्णय है तो पार्टी की ओर से स्थिति स्पष्ट किए जाने की जरूरत है।

ग्रामीणों ने जय अम्बे कंपनी का किया घेराव, चार घंटे काम रहा बंद भर्ती प्रक्रिया में स्थानीय ग्रामीणों को प्राथमिकता देने पर बनी सहमति



मौजूद रहे। प्रदर्शनकारियों ने कंपनी प्रबंधन के समक्ष अपनी मांग रखते हुए कहा कि भर्ती प्रक्रिया पारदर्शी होनी चाहिए और क्षेत्र के पात्र बेरोजगार युवाओं को उनकी योग्यता के अनुसार रोजगार का अवसर मिलना चाहिए।

चार घंटे तक प्रभावित रहा काम

ग्रामीणों के कंपनी परिसर के घेराव के कारण करीब चार घंटे तक काम बंद रहा। आंदोलनकारियों ने स्पष्ट किया कि जब तक भर्ती प्रक्रिया को लेकर कंपनी प्रबंधन की ओर से संतोषजनक आश्वासन नहीं दिया जाता, तब तक वे अपना आंदोलन जारी रखेंगे। स्थिति को देखते हुए कंपनी प्रबंधन एवं एसईसीएल के अधिकारियों ने ग्रामीणों से बातचीत शुरू की। मौके पर एसईसीएल मैनेजर अर्जुन जोड़े भी मौजूद रहे। इसके अलावा कंपनी की ओर से आलोक त्रिपाठी एवं रजनीश मिश्रा ने ग्रामीणों से बातचीत कर उनकी समस्याओं को सुना।

अधिकारियों की मौजूदगी में बनी सहमति

लगभग चार घंटे तक चले घटनाक्रम के बाद कंपनी प्रबंधन, एसईसीएल अधिकारियों और ग्रामीणों के बीच बातचीत हुई। बातचीत में ग्रामीणों की भर्ती प्रक्रिया से जुड़े मुद्दों पर सहमति बनाने का प्रयास किया गया। प्रबंधन की ओर से स्थानीय स्तर पर पात्र लोगों को भर्ती प्रक्रिया में अवसर देने को लेकर चर्चा की गई। ग्रामीणों ने कहा कि उनका आंदोलन किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि क्षेत्र के बेरोजगार युवाओं के रोजगार के अधिकार को लेकर है। उनका कहना है कि

रामपुर बटुरा मेगा प्रोजेक्ट से प्रभावित एवं आसपास के गांवों के युवाओं को रोजगार में उचित अवसर मिलना चाहिए।

आंदोलन के बाद काम हुआ शुरू

अधिकारियों और ग्रामीणों के बीच हुई बातचीत तथा भर्ती प्रक्रिया को लेकर बनी सहमति के बाद आंदोलन समाप्त हुआ और कंपनी का काम पुनः शुरू हो गया। हालांकि ग्रामीणों ने साफ किया कि वे भर्ती प्रक्रिया पर नजर रखेंगे और यदि भविष्य में स्थानीय युवाओं की अनदेखी की गई तो वे फिर से कंपनी प्रबंधन के खिलाफ आंदोलन कर सकते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि उनका मुख्य उद्देश्य क्षेत्र के बेरोजगार युवाओं को रोजगार दिलाना है। उन्होंने कंपनी प्रबंधन से अपेक्षा जताई कि भविष्य में स्थानीय लोगों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर सुना जाएगा और भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता बरती जाएगी। रामपुर बटुरा मेगा प्रोजेक्ट में रोजगार का मुद्दा पिछले कुछ समय से ग्रामीणों के बीच लगातार चर्चा का विषय बना हुआ है। रविवार को हुए इस आंदोलन ने एक बार फिर स्थानीय रोजगार और भर्ती प्रक्रिया को लेकर उठ रहे सवालों को सामने ला दिया है। अब देखने वाली बात यह होगी कि वार्ता में बनी सहमति के अनुसार कंपनी प्रबंधन आगे की भर्ती प्रक्रिया में स्थानीय युवाओं को कितना अवसर देता है।

मोलगढ़ में अज्ञात वाहन की टक्कर से दो युवकों की मौत, दो घायल कोतमा से मजदूरी कर एक ही बाइक से लौट रहे थे चार युवक

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।



राष्ट्रीय राजमार्ग-43 पर शनिवार देर रात भोलगढ़ गांव के समीप हुए दर्दनाक सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ, जब चार युवक एक ही मोटरसाइकिल से कोतमा से मजदूरी का काम कर वापस अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में घायल चारों युवकों को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय अनूपपुर लाया गया।

यहां उपचार के दौरान 20 वर्षीय निखिल केवट पिता विश्वनाथ केवट और 30 वर्षीय बन्नी केवट पिता हीरालाल केवट, दोनों निवासी ग्राम झगरहा, थाना अमलाई, जिला शहडोल, की मौत हो गई। वहीं रवि कुशवाहा और राजबली बैगा घायल हैं और उनका उपचार जिला

चिकित्सालय में जारी है। घटना की सूचना ड्यूटी डॉक्टर निवेश द्विवेदी ने जिला अस्पताल पुलिस को दी। सूचना पर प्रधान आरक्षक कमलेश प्रसाद ने रविवार सुबह परिजनों की मौजूदगी में दोनों मृतकों के शवों का पंचनामा कराया। इसके बाद ड्यूटी डॉक्टर से पोस्टमार्टम की कार्रवाई

कराकर शव अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिए गए। अस्पताल पुलिस ने घटना की जांच शुरू करते हुए मामले की जानकारी कोतवाली थाना अनूपपुर को दी है। हादसे के बाद पुलिस अज्ञात वाहन और उसके चालक की तलाश में जुटी है।

तिथि के बाद चतुर्थी तिथि का प्रारंभ होगा, जिससे एक ही दिन दोनों पर्वों का धार्मिक वातावरण बनेगा। हरतालिका तीज को माता पार्वती की तपस्या, त्याग और दृढ़ संकल्प का प्रतीक माना जाता है। इस दिन सुहागिन महिलाएं भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा कर पति की दीर्घायु, दंपत्य सुख और अखंड सौभाग्य की कामना करती हैं। अविवाहित कन्याएं भी मनचाहे जीवनसाथी की प्राप्ति की कामना से यह व्रत करती हैं। कई स्थानों पर मिट्टी से शिव-पार्वती की प्रतिमा बनाकर पूजन करने की परंपरा है। वहीं गणेश चतुर्थी भगवान श्री गणेश के प्राकट्य उत्सव के रूप में मनाई जाती है। गणपति को विघ्नहर्ता, बुद्धि, विवेक और मंगल के देवता के रूप में पूजा जाता है। श्रद्धालु भगवान गणेश को दुर्वा, मोदक, लड्डू, फल और फूल अर्पित कर परिवार की सुख-शांति,

